माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कृषक महिलाओं से वार्तालाप का सीधा प्रसारण

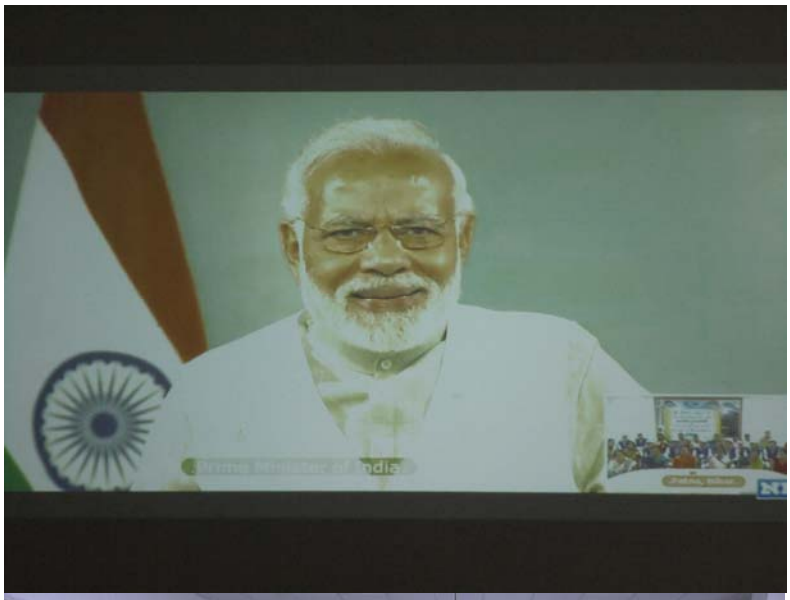

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा प्रसार शिक्षा विभाग के सभागार में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कृषक महिलाओं के साथ वार्तालाप का सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने सर्वप्रथम महिलाओं को नमन किया व उनके द्वारा घरों में, खेती, पशुपालन व समाज के लिये दिन भर कार्यो में लगे रहने की सराहनीय की। उन्होंने वीडियो काॅन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर की महिलाओं से वार्तालाप किया तथा महिला सशक्तिकरण के बारे में बताया। छत्तीसगढ़ की श्रीमती मीना माॅझी ने बताया कि उन्होंने स्वयं सहायता समूह बनाया और उनका समूह ईटे बनाता है। इस वर्ष उन्होंने 1.5 लाख ईटें बनाई व अपनी आय में वृद्धि की। प्रधानमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं की हिम्मत की तारीफ करते हुये जिक्र किया कि मैं छत्तीसगढ़ के हिंसाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया व ई-रिक्शे से भ्रमण किया। उस ई-रिक्शे को एक

महिला चला रही थी। इसका अर्थ है कि भयमुक्त समाज के निर्माण में महिला कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है। मध्य प्रदेश की वरवानी जिले की सुधा बघेल ने बताया कि उन्होंने 15 महिलाओं को समूह बनाया व छोटी-छोटी बचत एकत्र कर समूह के खाते से 2 लाख रूपये ऋण लिया। सर्वप्रथम अपनी सूखी जमीन को सिंचितकर कृषि योग्य बनाया। साथ ही बकरी पालन, चूड़ी निर्माण (लाख की चूड़ी) आदि कार्य कर अपनी आय 12-13 हजार प्रतिमाह कर बढिया से जीवनयापन कर रहे है। बच्चे हास्टल में पढ़ रहे है। इसी जिले की रेखा दिवासू ने समूह के माध्यम से 1000 बैंक खाते खुलवाये। प्रधानमंत्री ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुये उनको चलती फिरती बैंक की संज्ञा दी। इसके बाद श्रीमती विमता कुशवाहा से वार्ता की। इसी जिले की श्रीमती रेवती चैबे ने बताया कि माॅ बच्चों की चिन्ता करते हुये भी समूह का कार्य किया एवं गुजरात तक भ्रमण किया।

प्रधानमंत्री जी ने दीनदयाल ग्राम अन्त्योदय योजना के बारे में बताया कि किस प्रकार ग्रामीण बेरोजगार युवा इस योजना से जुड़कर लाभ उठा रहे है। आपने महिला समूह को सेनेटरी पैड बनाने की यूनिट लगाने जैसे सराहनीय कार्य की सराहना की। मध्य प्रदेश में 2000 एस.एच.जी. ग्रुप, 350 करोड़ रूपये की बचत कर बैकों की सहायता कर रहे है। कुपवाड़ा जम्मू एवं कश्मीर की महिलायें समूह बनाकर बैकों से ऋण लेकर गोपालन, भेड़ पालन, पाॅलीहाउस में सब्जी की खेती आदि कार्य कर 10 से 15 हजार रूपये प्रति माह अर्जित कर रही है।

अन्त में माननीय प्रधानमंत्री जी ने सभी महिलाओं का आह्वाहन किया कि वे निर्भीक होकर सरकार की गाॅव में चलने वाली योजनाओं का लाभ उठायें व आय अर्जित कर स्वालम्बी बने। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र में महिला सशक्तिकरण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जनपद की 65 महिलाओं के साथ साथ 15 कृषकों ने भी भाग लिया। इसके बाद कृषकों को चलचित्र के माध्यम से सफल कृषकों एवं महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित वीडियों भी दिखाई गई। कृषक महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र प्रदर्शन फार्म का भी भ्रमण कराया गया। जहाॅ उन्होंने एकीकृत फसल, पशुपालन प्रणाली को देखा व उसके उपयोग को जाना, साथ ही वर्ष भर हरा चारा प्रबंधन हेतु नेपियर घास व जिज्वा घास के लगाने के तरीके व उपयोग के बारे में बताया। कृषकों का पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता लाने के लिये फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी दी गई। इसके बाद महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत डा. रंजना गुप्ता ने स्वच्छ भारत अभियान के बारे में महिला स्वास्थ्य पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में संस्थान केे निदेशक, डा. राजकुमार सिंह, डा. पुतान सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, डा. अजयसेन चैधरी, प्रभारी, कृषि ज्ञान केन्द्र, बरेली, डा. संजय पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक, डा. पी.के. मुखर्जी, डा. पच्चैयप्पन, वैज्ञानिक, श्री राकेश पाण्डेय, श्री रंजीत सिंह एवं डा. रंजना गुप्ता आदि भी उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
गृह विज्ञान इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र
भाकृअनुप-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)